

## उपलब्धियां

### SPNF के तहत 14-12-2018 तक की उपलब्धियां

शून्य लागत प्राकृतिक खेती

- \* हिमाचल प्रदेश में कृषि एवं इससे सम्बन्धित अन्य गतिविधियों से लगभग 69% लोगों को रोजगार मिल रहा है।
- \* इस समय 9.61 लाख परिवार 9.05 लाख हैक्टेयर भूमि पर खेती कर रहे हैं। परन्तु इसमें 80% के लगभग क्षेत्र वर्षा पर आधारित है।
- \* पिछले कुछ वर्षों से ध्यान में आ रहा है कि प्रदेश में एकल कृषि प्रणाली की बढ़ती हुई है, रासायनिक उर्वरकों एवं कीट व फफुंदनाशक दवाइयों का प्रयोग अत्यधिक बढ़ा है, बावजूद इसके कृषि एवं बागवानी उत्पादन या तो स्थिर रह रहा है या घट रहा है।
- \* इन परिस्थितियों को देखते हुए हिमाचल प्रदेश सरकार ने एक विशेष प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना आरम्भ की। इस योजना के कार्यान्वयन हेतु पद्मश्री श्री सुभाष पालेकर जी द्वारा विकसित शून्य लागत प्राकृतिक खेती मॉडल को अपनाने का निर्णय लिया है।
- \* इस खेती विधि से फसल उत्पादन लागत बहुत कम हो जाती है, उत्पादन बढ़ता है, भूमि की उर्वरक क्षमता बढ़ती है तथा किसान ऋण मुक्त हो जाता है।
- \* 23 जनवरी, 2018 में सरकार ने इस कार्य हेतु एक टास्क फोर्स गठित की जिसमें कृषि विभाग को नोडल विभाग बनाया।
- \* 5 फरवरी, 2018 में कुछ मंत्री, सचिव, विभागों के मुखिया, कुलपति, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा कृषि विभाग के अधिकारियों ने इस विधि को देखने के लिए गुरुकुल, कुरूक्षेत्र का दौरा किया।
- \* 9 मार्च, 2018 में सरकार ने शून्य लागत प्राकृतिक खेती हेतु 25 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान किया।

\* 17 मार्च, 2018 में प्रदेश के ही माननीय मंत्रियों, विधायकों, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, कृषि वैज्ञानिकों, प्रसार अधिकारियों एवं उन्नत कृषकों हेतु शिमला में एक कार्यशाला का आयोजन किया।

\* प्रदेश में इस कार्य को हर किसान परिवार तक पहुंचाने के लिए एक प्रदेश स्तरीय परियोजना कार्यान्वयन ईकाई का गठन किया तथा जिला स्तर पर आत्मा परियोजना को इस कार्य हेतु अधिकृत किया।

\* मई, 2018 में तीन-तीन दिन की तीन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया:

1. 17 से 19 मई, 2018 को गोपालपुर (पालमपुर),
2. 22 से 24 मई, 2018 गोहर (मण्डी),
3. 27 से 29 मई, 2018 को नौणी (सोलन)।

जिसमें लगभग 2100 किसान और 217 कृषि अधिकारी रहे। तत्पश्चात् प्रदेश आत्मा परियोजना के अधिकारियों को 6 समूहों में तीन-तीन दिन की कार्यशाला समिति शिमला में करवाई गई ताकि उन्हें इस विधि का मुख्य उद्देश्य व मूल जानकारी प्राप्त हो।

\* प्रदेश के 50 किसानों को नौणी विश्वविद्यालय में एक महीने का प्रशिक्षण दिया गया:

1. 3 मई 2018 से 1 जून 2018 - 26 किसानों ने भाग लिया।
2. 20 जून 2018 से 19 जुलाई 2018 - 24 किसानों ने भाग लिया।

\* 26 जुलाई, 2018 पालमपुर में प्रदेश के चाय बागानों के लिए भी एक दिन का शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 70 के लगभग चाय उत्पादक शामिल हुए।

\* 9 सितम्बर, 2018 को प्रदेश के सभी 78 विकास खण्डों में शून्य लागत प्राकृतिक खेती पर कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें प्रदेश की सभी 3226 पंचायतों के 8417 किसानों ने भाग लिया।

\* 21 से 26 सितम्बर, 2018 को 28 किसानों एवं 2 अधिकारियों के एक समूह ने झांसी में 6 दिन का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

- \* 28 सितम्बर, 2018 को प्रदेश के 9 जिलों के जिलाधीश, 2 जिलों के पुलिस अधीक्षक, 5 भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु, 8 हिमाचल प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु, 15 वरिष्ठ पत्रकार एवं 2 कृषि विभाग के अधिकारियों ने गुरुकुल कुरुक्षेत्र का दौरा कर वहां शून्य लागत प्राकृतिक खेती द्वारा उगाई जा रही फसलों का निरीक्षण किया।
- \* 30 सितम्बर से 5 अक्टूबर, 2018 को 6 दिवसीय कार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम पालमपुर, जिला कांगड़ा में आयोजित किया गया जिसमें 865 किसानों (690 पुरुष, 175 महिलायें) व 150 विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया, कुल संख्या 1015 ।
- \* 7 से 8 अक्टूबर, 2018 को 69 किसानों व 16 अधिकारियों ने इस विधि को दिखने के लिए गुरुकुल, कुरुक्षेत्र का दौरा किया।
- \* 12 अक्टूबर से 16 अक्टूबर, 2018 को 5 दिवसीय कार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम कुफरी, जिला शिमला में आयोजित किया गया जिसमें 670 किसानों (608 पुरुष, 62 महिलायें) व 75 विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया, कुल संख्या 745 ।
- \* 26 से 27 नवम्बर, 2018 व 30 नवम्बर से 01 दिसम्बर, 2018 तक पशुपालन विभाग एवं बागवानी विभाग के 112 अधिकारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।
- \* अभी तक की जानकारी के अनुसार प्रदेश के सभी जिलों में ग्रामीण स्तर पर लगभग एक-एक दिन के 100 के आसपास प्रशिक्षण शिविर लग चुके हैं। जिसमें किसानों को शून्य लागत प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं की व्यावहारिक जानकारी दी गई।
- \* इस रबी मौसम में 94 फार्म स्कूल प्रदेश के विभिन्न जिलों में इस योजना के अन्तर्गत लगाए गए हैं। जिसमें 2383 किसान भाग ले रहे हैं।
- \* अभी तक प्रदेश में 1000 के लगभग किसानों ने विभिन्न फसलों पर शून्य लागत प्राकृतिक खेती की विधि से खेती करना प्रारम्भ कर दिया है।

\* प्रदेश के 9.61 लाख किसान परिवारों को चरणबद्ध प्रणाली से 0.5%2018 में, 5.2%2019 में, 20.8%2020 में, 36.4%2021 में तथा 37.5% की दर से 2022 तक समस्त 100% किसान/ बागवान/चाय बागवान इस विधि से जोड़ दिये जाएंगे।

| वर्ष       | किसानपरिवारोंकीसंख्या | प्रतिशतकुलकिसानपरिवार |
|------------|-----------------------|-----------------------|
| 2018       | 500                   | 0.05                  |
| 2019       | 50000                 | 5.2                   |
| 2020       | 200000                | 20.8                  |
| 2021       | 350000                | 36.4                  |
| 2022       | 360265                | 37.5                  |
| <b>कुल</b> | <b>960765</b>         | <b>100</b>            |